5. देखना चाहिए चूजों की बढ़त सामान्य है कि नही।
6. 14 वें दिन गम्बेरो इन्टरमीडियेट पानी में एवं 11/12 दिन इन्फेक्शियस ब्रोन्काइटिस टीकाकरण करना चाहिए।
7. 16-22 घन्टे तक प्रकाश देना चाहिए।

तीसरा सप्ताह :-

1. ब्रुडर का तापमान 80'F से 85'F होना चाहिए।
2. ब्रुडर एरिया बढ़ा देना चाहिए यदि गर्मी के दिन हो तो पूरे शेड का उपयोग करना चाहिए।
3. 14-16 घण्टे तक प्रकाश देना चाहिए।
4. शारीरिक वजन 140 ग्राम होना चाहिए।
5. मल की जॉच करना चाहिए एवं आवश्यक हो तो एन्टीकाक्सीडियल दवा देना चाहिए।
6. टीकाकरण 21 वें दिन इन्फेक्शियस ब्रोन्काइटिस टीकाकरण आई ड्राप द्वारा करना चाहिए।

चौथा सप्ताह :-

1. ब्रुडर का तापमान 75'F से 80'F होना चाहिये।
2. ब्रुडर एवं ब्रुडर गार्ड पूर्णरुप से हटा देना चाहिए।
3. प्रति चूजा 0.5 वर्ग फिट जगह देना चाहिए।
4. दाना बर्तनों में कम-कम एवं बार-बार डालना चाहिए।
5. 12 घण्टे प्रकाश देना चाहिए।
6. दाने एवं पानी के बर्तनों की सफाई बराबर ध्यान में रखनी चाहिए।
7. 24 वें दिन गम्बेरो में पानी देना चाहिए।

पांचवा सप्ताह :-

1. ब्रुडर का तापमान 65'ऋसे 75'ऋहोना चाहिए।
2. शारीरिक वजन 280 ग्राम तक होना चाहिए।
3. 10-12 घण्टे तक प्रकाश की आवश्यकता होती है जो कि सूर्य के प्रकाश से हो जाता है।
4. टीकाकरण रानी खेत बीमारी का लसोटा टीका 20 से 25 दिनों में पीने के पानी के द्वारा करना चाहिए।
5. आहार की मात्रा, पानी तथा बुरादे के प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

छटवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 390 ग्राम होना चाहिए।
2. यदि शारीरिक भार सामान्य रुप से प्राप्त हो चुका हो तो ग्रोवर मेस दाना देना शुरु कर देना चाहिए।
3. 11 से 12 घण्टे प्रकाश देना चाहिए।
4. फाउल पोक्स का टीकाकरण करने चाहिए। जिसे मांस पेशियों में लगाते है।

सातवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 450 ग्राम होना चाहिए।
2. ग्रोवर मेस दाना चालू कर देना चाहिए।
3. प्रकाश 12 घण्टे अर्थात् सिर्फ दिन का प्रकाश देना चाहिए।
4. पक्षियों को ग्रोवर पिंजडों में स्थानान्तरित कर देना चाहिए।
5. ग्रोवर पिंजड़ों में स्थानान्तरण के पश्चात 3-5 दिन तक अतिरिक्त मात्रा में विटामिन देना चाहिए।

6. एक पिंजड़ें में 4 ग्रोवर, 48 वर्ग इंच स्थान प्रति पक्षी को देना चाहिए।
7. एक ग्रोवर पिंजड़ा जिसमें 4 पक्षी है में फीडर स्पेश 4 इंच एवं वॉटर स्पेश 4 इंच देना चाहिए।
8. पंख सड़न (डर्माटाइटिस) बीमारी की जॉच करें यदि यह बीमारी आ गई है तो तुरंत इसकी दवाई दें।

आठवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 510 ग्राम होना चाहिए।
2. सिर्फ दिन का प्रकाश देना चाहिए।
3. कमजोर एवं बीमार पक्षियों को समूह से अलग रखना चाहिए।
4. 50-55 दिन में लसोटा टीकाकरण पीने के पानी में देना चाहिए।

नौवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 600 ग्राम होना चाहिए।
2. सिर्फ दिन का प्रकाश देना चाहिए।

दसवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 690 ग्राम होना चाहिए।
2. सिर्फ दिन का प्रकाश देना चाहिए।
3. शारीरिक वजन एवं आकार के आधार पक्षीयों की श्रेणी बना लेना चाहिए।

ग्याहरवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 750 ग्राम होना चाहिए।
2. 11-12 घण्टे तक प्रकाश देना चाहिए।
3. इन्फेक्शियस ब्रोन्काइटिस एवं रानीखेत (लसोटा) टीकाकरण पीने के पानी के द्वारा करना चाहिए।

बारहवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 830 ग्राम होना चाहिए।
2. 12 घण्टे तक प्रकाश देना चाहिए।
3. क्रमिनाशक दवा देना चाहिए।
4. काक्सीडियोसिसकी रोकथाम करना चाहिए इसके लिए एन्टीकाक्सीडियोसिस दवा देना चाहिए।

तैरहवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 910 ग्राम होना चाहिए।
2. प्रकाश 12 घण्टे।
3. रानीखेत बीमारी का आर-2 बी टीकाकरण मांसमेशियों द्वारा देना चाहिए।
4. विटामिन अतिरिक्त मात्रा में देना चाहिए।

चौदहवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 990 ग्राम होना चाहिए।
2. प्रकाश 12 घण्टे।
3. समूह में देखना चाहिए कि श्रेणी वद्ध करने के पश्चात् बढ़त सामान्य वृद्धि हो रही है कि नही।
4. अंतिम बार चोंच काटने (डीविर्किंग) की तैयारी करना चाहिए।